पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पहली तिमाही - वित्त वर्ष 2018-19

सम्मेलन कॉल

12 सितंबर, 2018

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम :

- श्री राजीव शर्मा - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री सी गंगोपाध्याय - निदेशक (परियोजना)
- श्री एन बी गुप्ता - निदेशक (वित्त)
- श्री पी के सिंह - निदेशक (वाणिज्यिक)

मध्यस्थ : **श्री प्रितेश भाम - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड**

- **प्रचालक :**

- देवियो एवं सज्जनो, नमस्कार तथा पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के वित्त वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही पश्चात अर्जन सम्मेलन कॉल में आपका स्वागत है जिसकी मेजबानी प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की जा रही है। याद रखें कि सभी प्रतिभागी लाइनें केवल श्रवण मोड में होंगी और प्रस्तुति समाप्त हो जाने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यदि आपको सम्मेलन कॉल के दौरान सहायता की आवश्यकता हो, तो कृपया अपने टचटोन फोन पर * और फिर 0 दबाकर किसी प्रचालक को सूचित करें। कृपया नोट करें कि यह सम्मेलन रिकॉर्ड हो रहा है। अब मैं इस सम्मेलन को प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड के श्री प्रितेश भाम के हवाले करता हूँ। आप सबका धन्यवाद, और अब सर आप।

- **श्री प्रितेश भाम - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड :**

- सभी को नमस्कार। हम वित्त वर्ष 2019 की पहली तिमाही के परिणामों पर चर्चा करने के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के शीर्ष प्रबंधन का स्वागत करते हैं। अब मैं इसे शीर्ष प्रबंधन के हवाले करता हूँ ताकि वे संक्षेप में अपनी टिप्पणियां करें और फिर प्रश्न एवं उत्तर सत्र होगा। अब सर आप कुछ कहें।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हमें यह अवसर प्रदान करने के लिए आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। सभी को नमस्कार। वित्त वर्ष 2019 की पहली तिमाही के दौरान पीएफसी के निष्पादन तथा इंड एएस रिपोर्टिंग प्रणाली अपनाने के प्रभाव के बारे में भी आपको जानकारी प्रदान करने के लिए आयोजित इस सम्मेलन कॉल में मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ।

- सबसे पहले मैं पीएफसी के निष्पादन के कुछ मुख्य अंशों के बारे में बताना चाहूँगा। व्यवसाय विकास के मोर्चे पर, इस तिमाही के दौरान हमारे ऋण में 13 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई है तथा हमारी ऋण परिसंपत्तियों का मूल्य 2,84,848 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले वर्ष की पहली तिमाही में इसका मूल्य 2,52,746 करोड़ रुपए था। हमने अधिष्ठापित परियोजनाओं के पुनर्वित्त पोषण और ग्रीनफील्ड की नवीकरणीय परियोजनाओं के वित्त पोषण में अपने प्रयासों को जारी रखा है। इन प्रयासों से वित्त वर्ष 2017-18 में मजबूत संवितरण का मार्ग प्रशस्त हो चुका है।

- लाभप्रदता के मोर्चे पर, हमारे लाभ में वित्त वर्ष 2018-19 में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा वर्ष के दौरान हमारा लाभ 1,373 करोड़ रुपए है, जबकि यह इंड एस रिपोर्टिंग के आधार पर वित्त वर्ष 2017-18 में 1,122 करोड़ रुपए था। पहली तिमाही में हमारा स्प्रेड 2.49 प्रतिशत है, जबकि पिछले वर्ष अर्थात वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में हमारा स्प्रेड 2.65 प्रतिशत था। स्प्रेड में गिरावट कम स्प्रेड तथा प्रतिस्पर्धी दबावों के साथ पुनर्वित्त पोषण और नवीकरणीय व्यवसाय में वृद्धि के कारण है। मैं आपको यह सूचित करना चाहता हूं कि पिछले वित्त वर्ष में हमने जिनका उल्लेख किया है उनको छोड़कर तनावग्रस्त परिसंपत्तियों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

- एनपीए के मोर्चे पर, हमने देखा कि 561 करोड़ रुपए ऋण की पिछली तनावग्रस्त परियोजनाएं एनपीए श्रेणी में फिसल गई हैं, जो इंड एएस के अनुसार चरण 3 के रूप में वर्गीकृत है। साथ ही निर्दिष्ट अवधि तक सेवारत होने के पश्चात 1100 करोड़ रुपए ऋण की राज्य क्षेत्र की एक परियोजना को आरबीआई के पिछले मानदंडों के अनुसार पुनर्गठित मानक परिसंपत्ति के रूप में अपग्रेड किया गया।

- जहां तक प्रावधान का संबंध है, जैसा कि अब हम इंड एएस रिपोर्टिंग का अनुसरण कर रहे हैं, हमने तद्नुसार अपने वित्त विवरणों का पुनर्वर्णन किया है, जिसके द्वारा हमने आरबीआई के मानदंडों के अनुसार नियम आधारित प्रावधान के स्थान पर इंड एएस के तहत अपेक्षित साख क्षति आधारित प्रावधान अपनाया है। तद्नुसार इस तिमाही में हमारा निवल एनपीए वित्त वर्ष 2018 में आईजीएएपी के अनुसार घोषित 7.39 प्रतिशत के निवल एनपीए से घटकर 4.53 प्रतिशत हो गया है। मुझे आपको यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि अतिरिक्त प्रावधान से भी हमारा पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत की आरबीआई की आवश्यकता के विरुद्ध 17.71 प्रतिशत है।

- अब मैं पीएफसी के निष्पादन पर इंड एएस के प्रभाव का वर्णन करना चाहूंगा। हमने 1 अप्रैल, 2018 से इंड एएस लागू किया है। इंड एएस के कारण 30 जून 2018 की स्थिति के अनुसार हमारा कुल प्रावधान 17238 करोड़ रुपए है। इसमें से अपेक्षित साख क्षति प्रावधान 15445 करोड़ रुपए है। इसके अलावा अपने विवेक का प्रयोग करते हुए हमने आरबीआई के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार 1793 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान भी किया है जो अपेक्षित साख क्षति प्रावधान के अलावा है। इंड एएस रिपोर्टिंग को अपनाने का मुख्य प्रभाव पीएफसी के निवल मूल्य पर हुआ है जो मार्च 2018 के अंत में लगभग 3000 करोड़ रुपए कम हो गया है। यह नोट करना आवश्यक है कि इस समय इंड एएस के कार्यान्वयन के बाद प्रावधान के संबंध में आरबीआई द्वारा जारी किया गया कोई विशिष्ट अनुदेश या दिशानिर्देश नहीं है। तथापि, यदि आरबीआई स्पष्ट करता है कि प्रावधान केवल अपेक्षित साख क्षति पर आधारित होने जा रहा है तो 1793 करोड़ रुपए का आरबीआई मानदंडों का किया गया संपूर्ण अतिरिक्त प्रावधान पलट जाएगा। आरबीआई से स्पष्टीकरण के अभाव में भी,

1793 करोड़ रुपए के इन अतिरिक्त प्रावधानों में से आने वाले वर्षों में आरबीआई के मानदंडों के अनुसार पलटाव इस प्रकार हैं : वर्तमान वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान 719 करोड़ रूपए पलट जाएंगे। अगले वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 213 करोड़ रूपए पलट जाएंगे। अत: इन संभावित पलटावों के मद्देनजर पीएफसी वित्त वर्ष 2018 के लिए निवल मूल्य में नुकसान की भरपाई करने में समर्थ होगा।

- अब मैं हमारी ऋण परिसंपत्ति बही के बारे में स्पष्ट करना चाहूंगा। लगभग 2,85,000 करोड़ रुपए का हमारा कुल ऋण परिसंपत्ति व्यवसाय है जिसमें से सरकारी क्षेत्र के ऋणों का मूल्य 2,33,000 करोड़ रुपए अर्थात 82 प्रतिशत और निजी क्षेत्र के ऋणों का मूल्य 52000 करोड़ रुपए अर्थात 18 प्रतिशत है।

- जहां तक 233000 करोड़ रुपए की सरकारी ऋण बही का संबंध है, सरकारी क्षेत्र के ऋणकर्ता नियमित रूप से देय राशि चुकता कर रहे हैं। इसके अलावा सरकारी क्षेत्र के ऋणकर्ताओं के संबंध में हम किसी तनाव की परिकल्पना नहीं कर रहे हैं। इंड एएस के कार्यान्वयन से 30 जून 2018 की स्थिति के अनुसार चरण 3 के तहत सरकारी क्षेत्र की कोई परियोजना नहीं है।

- लगभग 52000 करोड़ रुपए के निजी क्षेत्र के ऋण के मामले में, लगभग 21000 करोड़ रुपए का निजी क्षेत्र का ऋण अर्थात हमारी ऋण बही का 7 प्रतिशत अपनी देय राशि को नियमित रूप से चुकता हो रहा है और हमें कोई वित्तीय तनाव नहीं दिख रहा है। अत: हमारी कुल परिसंपत्ति बही का 89 प्रतिशत किसी भी प्रकार के तनाव के अधीन नहीं है। लगभग 31000 करोड़ रुपए की शेष निजी ऋण परिसंपत्तियों में से 5300 करोड़ रुपए के लिए न्यूनतम कर्तन के साथ पुनरुद्धार की परिकल्पना है। तथापि, हमने इन परियोजनाओं के लिए अभी भी 15 प्रतिशत का प्रावधान किया है। 24500 करोड़ रुपए की शेष निजी ऋण परिसंपत्तियों के विरुद्ध रिजर्व सहित 77 प्रतिशत प्रावधान उपलब्ध है।

- अब मैं आपको 28 तनावग्रस्त परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करना चाहूंगा। 5 परियोजनाओं में, 5300 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ, हम न्यूनतम कर्तन की उम्मीद करते हैं। ये लेखा इस प्रकार हैं :

    - जम्मू एवं कश्मीर में जीवीके रैटल परियोजना जहां हमने किसी बलिदान के बगैर समाधान किया है तथा वर्तमान वित्त वर्ष में लेखा के अपग्रेड होने की संभावना है जिससे प्रावधानों के पलटाव का मार्ग प्रशस्त होगा।

- सिक्किम में डैंस एनर्जी और शिगा परियोजना। ये हाइड्रो परियोजनाएं हैं। विद्युत क्रय करार पर हस्ताक्षर हो चुके हैं तथा विद्युत आपूर्ति शुरू हो गई है और कंपनी ने महाजनों को भुगतान करना शुरू कर दिया है।
- इंडिया पावर हल्दिया। यह परियोजना हल्दिया, पश्चिम बंगाल में स्थित है। पहली तिमाही में किसी बलिदान के बगैर इसे पुनर्गठित किया गया और निर्दिष्ट अवधि के बाद मानक में परिवर्तित होने की संभावना है।
- जहां तक दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश परियोजना का संबंध है, यह उत्तर प्रदेश में एक पारेषण परियोजना है। प्रबंधन में परिवर्तन के लिए हमारी बातचीत चल रही है।

इन 5 परियोजनाओं में कुल प्रावधान 15 प्रतिशत है, भले ही हम न्यूनतम कर्तन की उम्मीद करते हैं।

- 8254 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ अब अगली 5 परियोजनाएं समाधान के उन्नत चरणों पर हैं। ये परियोजनाएं इस प्रकार हैं :

  - जीएमआर छत्तीसगढ़, झबुआ पावर, केएसके महानदी। इन तीन परियोजनाओं में, हम एच1 बोलीदाताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं तथा ऐसी संभावना है कि हम बहुत शीघ्र इन सौदों को बंद कर देंगे।
  - इंडियाबुल्स अमरावती परियोजना और एस्सार महान, इन दो परियोजनाओं में, मौजूदा प्रबंधन द्वारा एकबारगी समाधान प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है तथा उनको अंतिम रूप दिया जा रहा है। ऐसी संभावना है कि हम इन दो परियोजनाओं को भी बहुत शीघ्र बंद कर देंगे।

  इस प्रकार हम इन 5 परियोजनाओं में संभावित समाधान देखते हैं जहां पहले से किया गया कुल प्रावधान लगभग 48 प्रतिशत है।

- 8156 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ दो परियोजनाओं में, समाधान की दिशा में ऋणकर्ताओं ने उल्लेखनीय प्रगति की है। ये परियोजनाएं इस प्रकार हैं :

  - इंडियाबुल्स नासिक, जहां महाराष्ट्र की राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहण पर कार्रवाई चल रही है।
  - दूसरी परियोजना आरकेएम पावरजेन चरण 1 एवं 2 है जहां पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है। इस परियोजना के लिए सकारात्मक पहलू यह है कि तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए

प्रायोगिक पीपीए योजना हेतु हाल ही में समाप्त हुई बोली में 550 मेगावाट के लिए इसे एल1 घोषित किया गया है।

इन दो परियोजनाओं के लिए पहले से किया गया कुल प्रावधान 41 प्रतिशत है।

- जैसा कि आप जानते हैं, बड़े ऋणकर्ताओं के लिए एनसीएलटी दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 सितंबर 2018 को समाप्त हो रही थी। तथापि, हम समझते हैं कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने आरबीआई परिपत्र के तहत एनसीएलटी दाखिल करने की आवश्यकता पर स्टे लगा दिया गया है। अत: उनको जल्दी से बंद करने के लिए हमने समाधान की प्रक्रिया जारी रखी है। 8100 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 9 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के माध्यम से किया जा रहा है। इन 9 परियोजनाओं में पहले से किया गया कुल प्रावधान 73 प्रतिशत है। 298 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 4 परियोजनाओं का समाधान डीआरटी या सर्फेसी तंत्र के माध्यम से किया जा रहा है तथा इन परियोजनाओं के लिए पहले से ही 100 प्रतिशत प्रावधान है।

- 689 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ शेष 3 परियोजनाएं इस प्रकार हैं : एस्सार ट्रांसमिशन जहां परियोजना अधिष्ठापित होने के बहुत करीब है और ओटीएस के लिए हम मौजूद प्रमोटर के साथ बातचीत कर रहे हैं। जहां तक आरएस इंडिया का संबंध है, प्रमोटर द्वारा एक ओटीएस प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जिस पर पीएफसी में विचार किया जा रहा है। जहां तक अस्टोनफील्ड परियोजना का संबंध है, महाजन प्रबंधन में परिवर्तन करने पर विचार कर रहे हैं। इन 3 परियोजनाओं के लिए पहले से किया गया कुल प्रावधान 37 प्रतिशत है।

- इस प्रकार 23 परियोजनाओं जो कुल 25500 करोड़ रुपए के समाधान के विभिन्न चरणों पर हैं, ने पहले से ही 54 प्रतिशत का प्रावधान किया है। तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए अब तक प्राप्त बोलियों के आधार पर, हम किसी अतिरिक्त प्रावधान के आगे बढ़ने की संभावना नहीं देखते हैं। इसके अलावा आरबीआई के मानदंडों के अनुसार अपने विवेक के आधार पर हमने 1793 करोड़ रुपए का एक अतिरिक्त प्रावधान भी किया है जिसके पलटने की संभावना है।

- विद्युत क्षेत्र के मोर्चे पर, मैं यह बताना चाहता हूं कि भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों जैसे कि उदय, शक्ति, प्रायोगिक पीपीए योजनाओं से परिणाम प्राप्त होने शुरू हो गए हैं। हाल ही में विद्युत मंत्रालय ने भी कानून में परिवर्तन के संबंध में टैरिफ याचिकाओं के समय से निस्तारण के लिए सीईआरसी को निर्देश जारी किया है। तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में हाल ही में गठित अधिकार प्राप्त समिति विद्युत परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले सेक्टोरल मुद्दों के तेजी से समाधान के उद्देश्य से चर्चा शुरू कर चुकी है। इसके अलावा विद्युत की मांग के मोर्चे पर, हमने देखा है कि विद्युत की मांग में 6 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई

है तथा 100 प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण और सौभाग्य जैसी योजनाओं के पूर्ण होने की संभावना है। हम मांग में और वृद्धि होने की संभावना देखते हैं और लगभग 28000 मेगावाट के लिए मांग बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा, पर्यावरणीय सरोकारों के कारण 15000 से 20000 मेगावाट के पुराने संयंत्रों के बंद हो जाने की संभावना है। इन सबकी वजह से देश में विद्युत की मांग बढ़ने की प्रबल संभावना है। चूंकि भारत सरकार तथा सभी हितधारकों द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और विद्युत की मांग में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है इसलिए हमें पूरी उम्मीद है कि तनावग्रस्त परियोजनाएं भविष्य में बेहतर मूल्य प्रदान कर सकती हैं।

- जहां तक हमारे विदेशी मुद्रा ऋण का संबंध है, हमारा कुल विदेशी मुद्रा ऋण 3.1 बिलियन अमरीकी डालर अर्थात कुल ऋण का 9 प्रतिशत है। 3.1 बिलियन अमरीकी डालर में से 1.8 बिलियन अमरीकी डालर अर्थात 58 प्रतिशत को पहले से ही संरक्षित किया गया है। शेष खुले अंश में से 430 मिलियन अमरीकी डालर अर्थात 14 प्रतिशत लगभग 10 वर्ष बाद परिपक्व होगा तथा आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अग्रिम संरक्षण अनिवार्य नहीं है। 850 मिलियन अमरीकी डालर अर्थात 28 प्रतिशत की औसत परिपक्वता तीन वर्ष है तथा इस खुले अंश के लिए परिपक्व होने के लिए पर्याप्त समय है। इसलिए हम विनिमय दर में वर्तमान अस्थिरता के कारण कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखते हैं।

- अब मैं आपको हमारे भावी व्यवसाय के बारे में जानकारी प्रदान करना चाहूंगा। हमने महाराष्ट्र में सीवेज वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए अपना पहला ऋण संस्वीकृत किया है जिसका प्रयोग दो ताप विद्युत परियोजनाओं को पानी उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा हमने तेलंगाना में सिंचाई की परियोजनाओं के लिए ऋण की राशि बढ़ा दी है जिसके बारे में हम आपको पहले बता चुके हैं। हमने अब तक अपशिष्ट से ऊर्जा की दो परियोजनाओं को भी संस्वीकृत किया है तथा हम इस क्षेत्र में वित्त पोषण के अवसरों की तलाश करना जारी रखेंगे। हम राज्य क्षेत्र के व्यवसाय पर बल देना भी जारी रखेंगे, विशेष रूप से ऐसे राज्यों के साथ जिनके साथ हमने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जैसे कि उत्तर प्रदेश और महराष्ट्र। हम अपने परिसंपत्ति आधार में और अधिष्ठापित परियोजनाओं को शामिल करने के लिए पुनर्वित्त पोषण के व्यवसाय पर बल देना जारी रखेंगे। हम नवीकरणीय व्यवसाय पर भी बल देना जारी रखेंगे। हम भविष्य में 54ईसी बांड के तहत अधिक राशि जुटाने की दिशा में प्रयास करना जारी रखेंगे।

- हमने इंड एएस रिपोर्टिंग प्रणाली को सुचारु ढंग से अपना लिया है तथा हमारी सूचित निवल लाभ वृद्धि 22 प्रतिशत है। इस तिमाही में हमारा कुल प्रावधान 17238 करोड़ रुपए पर पहुंच रहा है तथा हमने अपनी तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए पर्याप्त रूप से प्रावधान किया है और हम भविष्य में अतिरिक्त प्रावधान की संभावना नहीं देखते हैं। इसलिए हमारा यह विश्वास है कि तनावग्रस्त

परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान की दृष्टि से अब बुरे दिन पीछे छूट गए हैं। हमें आरबीआई के मानदंडों पर अतिरिक्त प्रावधान से पलटाव तथा कुछ तनावग्रस्त परिसंपत्तियों पर पलटाव देखने की भी संभावना है। महाजनी के अपने व्यवसाय में विविधता के आधार पर हम अपनी ऋण वृद्धि को बनाए रखने का इरादा रखते हैं।

- अब आप प्रश्न पूछ सकते हैं। आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- महोदय, आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। देवियो एवं सज्जनो, अब हम प्रश्न और उत्तर सत्र शुरू करेंगे। जो कोई भी प्रश्न पूछना चाहता है वह अपने टचटोन टेलीफोन पर कृपया * और फिर 1 दबाए। यदि आप प्रश्न की कतार से अपने आपको हटाना चाहते हैं तो आप * और फिर 2 दबा सकते हैं। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि प्रश्न पूछते समय कृपया हैंडसेट का प्रयोग करें। देवियो एवं सज्जनो, प्रश्न की कतार जमा होने तक हम कुछ क्षण के लिए प्रतीक्षा करेंगे। प्रश्न पूछने के लिए कृपया * और फिर 1 दबाएं।

- पहला प्रश्न आईडीएफसी सिक्योरिटीज से महरुख अदाजानिया की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **महरुख अदाजानिया - आईडीएफसी सिक्योरिटीज :**

- महोदय नमस्कार, मुझे दो प्रश्न पूछने हैं। पहला, क्या आप समाधान के तहत सभी 7 परियोजनाओं के नाम बता सकते हैं जिनके लिए क्रेता उपलब्ध हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- समाधान के तहत केएसके एनर्जी, अवांथा पावर झबुआ, इंड भारत एनर्जी उत्कल हैं, यह एनसीएलटी के पास गया है, आरकेएम पावरजेन, जिसे हम पुनर्गठित करने जा रहे हैं क्योंकि तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए पीटीसी के साथ शुरू की जा रही हमारी प्रायोगिक योजना में इसने 550 मेगावाट के लिए पीपीए प्राप्त किया है। केएसके में, हमें बोलियां प्राप्त हो चुकी हैं तथा उनका मूल्यांकन किया जा रहा है। ऐसी संभावना है कि हम इसे बहुत शीघ्र बंद कर देंगे। इस प्रकार समाधान में, हमारी 4 परियोजनाएं हैं जिसमें हम वहां हैं। अवांथा पावर झबुआ, इंड भारत एनर्जी उत्कल, केएसके एनर्जी और आरकेएम पावरजेन। झबुआ में भी हमें बहुत अच्छा एकबारगी समाधान प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और ऐसी संभावना है कि यह भी बहुत शीघ्र बंद हो जाएगी।

- **महरुख अदाजानिया - आईडीएफसी सिक्योरिटीज :**

- और महोदय, अखबारों में ऐसी खबर छपी है कि एस्सार महानर एनसीएलटी के पास जा सकता है। अत: ये सही नहीं हैं, क्या ऐसा है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी नहीं, एस्सार महानर में भी हमने ओटीएस का बहुत अच्छा प्रस्ताव प्राप्त किया है। परंतु पुन: यह मूल्यांकन के अधीन है और चूंकि माननीय उच्चतम न्यायालय में 12 फरवरी के परिपत्र पर स्टे लगा दिया है इसलिए अब हम इसे बंद कर सकते हैं। यह बहुत अच्छा प्रस्ताव है।

- **महरुख अदाजानिया - आईडीएफसी सिक्योरिटीज :**

- यदि क्रेताओं को चिह्नित कर लिया गया है तो समाधान लेखा के समाधान में कितना समय लगने वाला है? क्या ऐसा है कि महाजन अपने बोर्ड के अनुमोदन में विलंब कर रहे हैं? वास्तव में किस वजह से यह रुका हुआ है? क्रेता उपलब्ध हैं, यह तनावग्रस्त क्षेत्र है इसलिए समाधान तेज गति से हो सकता है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आप यह मानेंगे कि कंसोर्टियम लेंडिंग में अनेक कंसोर्टियम पार्टनर होते हैं तथा सिर्फ आपकी जानकारी के लिए हम यह बताना चाहते हैं कि केएसके एनर्जी में कुल 27 महाजन हैं। आप भी यह मानेंगे कि 27 महाजनों से सहमति प्राप्त करना आसान काम नहीं है। 22 महाजनों ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है तथा 5 ने अभी तक हमें अपनी सहमति नहीं दी है। इस प्रकार माननीय उच्चतम न्यायालय के स्टे के बाद हमें जो समय मिला है उसमें हम उन महाजनों को भी शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मेल मिलाप की प्रक्रिया होगी। और ओटीएस प्रस्तावों के लिए भी, केएसके एनर्जी की तरह महाजनों की संख्या बड़ी नहीं है, इसके बावजूद कुछ मामलों में महाजनों की संख्या 10, 12, 15 है। इसी वजह से आपको सभी महाजनों की शत प्रतिशत सहमति की आवश्यकता होती है; यह आवश्यक है। आप भी इसे मानेंगे।

- **महरुख अदाजानिया - आईडीएफसी सिक्योरिटीज :**

- ठीक है, महोदय आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न एडेलवेइस सिक्योरिटीज से कुनाल शाह की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- महोदय सबसे पहले, इंड एएस के कारण निवल मूल्य पर संपूर्ण प्रभाव की दृष्टि से, यह लगभग 3000 करोड़ रुपए के आसपास है। जब हम पिछली बार के आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए रिजर्व के बाहर जो समग्र प्रावधान था वह 9000 करोड़ रुपए था। अब चरण 3 के तहत हमें लगभग 14000 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। क्या यह प्रभाव उच्चतर हो सकता है और क्या हमने निवल मूल्य में रिजर्व को समायाजित किया है? स्थिति क्या है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- पहले हम प्रावधान पर इन परिसंपत्तियों पर डीटीए - आस्थगित कर पर विचार नहीं कर रहे थे। इस प्रकार हम लगभग 4800 करोड़ रुपए के डीटीए पर विचार कर रहे हैं। डीटीए द्वारा 4800 करोड़ रुपए की भरपाई की गई है, इस प्रकार निवल मूल्य में 3000 करोड़ रुपए की गिरावट है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- क्या उच्चतर प्रावधान के कारण निवल मूल्य पर कुल प्रभाव 8000 करोड़ रुपए होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह 8000 करोड़ रुपए के आसपास है। मैंने कहा कि निवल मूल्य में 3000 करोड़ रुपए की कटौती हो चुकी है, डीटीए के कारण 4800 करोड़ रुपए, लगभग 200 करोड़ रुपए इंड एएस के समायोजन के कारण है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। द्वितीयत: जब हम इस पर नजर डालते हैं तो लेखाओं की दृष्टि से जो 20000 करोड़ रुपए को चुकता करने में समयबद्ध हैं, इसमें से कौन कुछ प्रमुख लेखा होंगे?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- एक मध्य प्रदेश, अनूपपुर में हिंदुस्तान पावर (एमबी पावर) 2 X 600 मेगावाट परियोजना है। दूसरी परियोजना सासन है जो मध्य प्रदेश में 4000 मेगावाट की पहली अल्ट्रा मेगा विद्युत पिरयोजना है तथा देश को सस्ती बिजली की आपूर्ति कर रही है। अन्य परियोजनाएं नवीकरणीय सेगमेंट में हैं।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- हिंदुस्तान पावर में एक्सपोजर कितना होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह 1330 करोड़ रुपए है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है और सासन में?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- सासन में यह 1638 करोड़ रुपए है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- और शेष?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- एक अन्य परियोजना जीवीके की 330 मेगावाट की अलकनंदा जल विद्युत परियोजना है जिसमें हमारा एक्सपोजर 501 करोड़ रुपए का है। अन्य नवीकरणीय परियोजनाएं हैं।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। इस प्रकार इसमें ऐसा कोई बड़ा एक्सपोजर नहीं है जो 2000-3000 करोड़ रुपए से अधिक होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- नहीं।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। इस बार जब हम जीएनपीएल पर नजर डालते हैं तो पिछली बार के जीएनपीएल प्लस पुनर्गठित की तुलना में इस बार कुछ वृद्धि है। यह ज्यादातर जीवीके और शीगा के कारण है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- परंतु अब यह पलट रहा है। उन्होंने हरियाणा के साथ पीपीए प्राप्त किया है और उन्होंने हमें भुगतान करना शुरू कर दिया है। यह सिक्किम में जल विद्युत परियोजना है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। महोदय, यह 1883 करोड़ रुपए जो चरण तीन में है अर्थात जीवीके, शीगा और डैंस एनर्जी है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, तीन परियोजनाएं चरण 3 में हैं।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- और अंत में, राज्य यूटिलिटीज के मामले में पिछली बार जीएनपीएल भी था जो राज्य यूटिलिटी में था तथा पुनर्गठन में कुछ न कुछ था। वह भी लगभग 25000 करोड़ रुपए था। अब यह निश्चित रूप से चरण 3 में नहीं है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- क्योंकि कोई वित्तीय तनाव नहीं है। यह तकनीकी कारणों से था।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- ईसीएल में ये सभी परिसंपत्तियां चरण 1 में चली गई हैं क्योंकि कोई वित्तीय तनाव नहीं है।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- परंतु यदि हम इसे निष्पादन की दृष्टि से देखें तो पिछली बार जीएनपीएल में 5000 करोड़ रुपए थे। क्या इन ऋणों के निष्पादन में कोई सुधार हुआ है? क्या हमने कोई पुनर्भुगतान या कुछ प्राप्त किया है? स्थिति क्या है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां। आंध्र प्रदेश में जुराला हाइड्रो नामक 1100 करोड़ रुपए की एक परियोजना व्युत्क्रम में आ गई। 3000 करोड़ रुपए की रॉयल सीमा नामक एक अन्य थर्मल परियोजना भी व्युत्क्रम में आ गई।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। इस प्रकार इस 5000 करोड़ रुपए में से लगभग 4100 करोड़ रुपए किसी न किसी रूप में व्युत्क्रम में आएंगे, भले ही यह जीएनपीएल में था, यह व्युत्क्रम में आएगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हां।

- **कुनाल शाह - एडेलवेइस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है। बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न फर्स्ट रैंक बैंक से गौरव भुवानिया की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- महोदय, नमस्कार। चरण 2 के तहत राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए वसूली की समय सीमा क्या होगी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- 30 से 90 दिन के समयाधिक्य वाली परियोजनाओं को चरण 2 के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- चरण 1 में वसूली की समय सीमा क्या होगी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- 30 दिन से कम समयाधिक्य वाली परियोजनाएं चरण 1 में हैं।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- मैं बस यह पूछना चाहता हूं कि कब मानक के लिए राज्य क्षेत्र ऋण में चरण 2 की इन परिसंपत्तियों को चरण 1 में ट्रांसफर किया जाएगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जब भी हमें भुगतान प्राप्त होंगे, उसे चरण 1 में शिफ्ट किया जाएगा।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- क्या वित्त वर्ष के अंत में आपका कोई दिशानिर्देश है, आपकी चरण 2 की परिसंपत्तियां क्या होंगी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- देखिए, कहना बहुत कठिन है। हम सभी राज्यों और निजी क्षेत्रों के साथ इस पर काम कर रहे हैं ताकि वे भुगतान करें। यदि देय राशि 30 दिन से कम समय के लिए देय बनी रहती है तो उसे चरण 1 में शिफ्ट किया जाएगा अन्यथा वह चरण 2 में बनी रहेगी।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि नियमित परियोजनाओं के कुल पोर्टफोलियो में से कितना प्रतिशत पूर्णत: अधिष्ठापित हो जाएगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- क्या हम इस नंबर पर आपसे दुबारा बात कर सकते हैं?

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- बिल्कुल, कोई दिक्कत नहीं है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- मेरी समझ से यह 60 प्रतिशत से अधिक होगा परंतु हम दुबारा पुष्टि करेंगे।

- **गौरव भुवानिया - फर्स्ट रैंक बैंक :**

- महोदय, आपका धन्यवाद। यह मेरी ओर से है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न एचडीएफसी म्युचुअल फंड से आनंद लड्ढा की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- सबसे पहले, बहुत विस्तृत प्रस्तुति के लिए आपका बहुत धन्यवाद जो निजी क्षेत्र में जोखिम के संबंध में सभी तनावों पर काफी स्पष्ट जानकारी प्रदान करती है। महोदय, आपके प्रकटन उद्योग में सर्वोत्तम में से एक हैं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- बहुत अच्छा। धन्यवाद।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- द्वितीयतः, क्या आप इस बात पर कुछ प्रकाश डाल सकते हैं कि नवीकरणीय क्षेत्र में आपका कुल एक्सपोजर कितना है और उसमें से सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में कितना एक्सपोजर है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- मोटे तौर पर नवीकरणीय क्षेत्र में हमारा एक्सपोजर हमारी कुल ऋण बही का लगभग 6 प्रतिशत है।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- जो 12000-13000 करोड़ रुपए के आसपास है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हां।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- और इसके अंदर कितना सौर ऊर्जा के लिए होगा और कितना पवन ऊर्जा के लिए होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- कृपया कुछ क्षण रुकें। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में 5762 करोड़ रुपए और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में लगभग 6000 करोड़ रुपए बकाया है। यह लगभग 50-50 है परंतु सौर ऊर्जा में अधिक है।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- ठीक है। क्या हाइड्रो परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा का अंग नहीं है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आज तक की स्थिति के अनुसार केवल 25 मेगावाट की क्षमता वाली जल विद्युत परियोजनाएं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं हैं। सरकार घोषणा करने पर विचार कर रही है परंतु उनकी हाइड्रो

नीति को अभी तक मंत्रिमंडल की मंजूरी प्राप्त नहीं हुई है। हाइड्रो नवीकरणीय ऊर्जा में 272 करोड़ रुपए हैं।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, एनपीए परिसंपत्तियों में हमारे 2 लघु एक्सपोजर थे। एक महाराष्ट्र गैर आधारित संयंत्र था जहां एनटीपीसी और गेल भी शेयर धारक हैं। क्या यह एनपीए का हिस्सा है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह रत्नगिरि में था, अब यह मानक हो गया है। उच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित डिमर्जर नीति के बाद अब यह मानक बन गया है।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, एक और छोटा सा प्रश्न। एमपी पावर में एक्सपोजर के बारे में कुछ बताएं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह मानक है। वे हमें नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, क्या आप हमारी वृद्धिमूलक ऋण दर पर कुछ जानकारी प्रदान कर सकते हैं? क्या हमने अपनी ऋण दर बढ़ा दी है? यदि हमने अपनी ऋण दर बढ़ा दी है तो इसे कब पूरी तरह लागू किया जाएगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- मेरी समझ से पिछली तिमाही में हमने इसमें 25 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की थी। हम फिर से इसकी समीक्षा कर रहे हैं। मैं यह नहीं कर सकता कि हम अपने प्रतियोगी आरईसी से परामर्श करेंगे परंतु निश्चित रूप से हम बहुत शीघ्र इसका जायजा लेंगे।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- और महोदय, अब हमारी वृद्धि मूलक ऋण लब्धि क्या हो सकती है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह 10.5 प्रतिशत से 11 प्रतिशत के बीच हो सकती है।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- ऋण की दृष्टि से वर्तमान वर्ष में हम ऋण के किस स्रोत की योजना बना रहे हैं जिसका आप प्रयोग करेंगे? क्या आप घरेलू ऋण का अधिक प्रयोग करने की योजना बना रहे हैं अथवा अंतर्राष्ट्रीय ऋण का?

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, क्या आप ऋण पक्ष के बारे में कुछ जानकारी प्रदान कर सकते हैं? शेष वर्ष के लिए हम ऋण लेने की योजना किस प्रकार बना रहे हैं? क्या हम घरेलू बांड ऋण पर विचार कर रहे हैं, क्या हम अंतर्राष्ट्रीय बांड ऋण पर विचार कर रहे हैं और ऋण लेने की वृद्धिमूलक लागत क्या है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- देखिए, यह घरेलू एवं विदेशी ऋण का मिश्रण होगा। घरेलू ऋण अल्पावधिक और बांड ऋण और बैंकों से मियादी ऋण दोनों का मिश्रण हो सकता है।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, यह किस लागत पर प्राप्त होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह अवधि पर निर्भर करता है। आज 10 वर्षीय बांड की लागत भी 8.80 प्रतिशत के आसपास होती है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हम दीर्घावधिक ऋणों के लिए भारत स्टेट बैंक और एलआईसी के साथ बातचीत कर रहे हैं।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- ठीक है। अंतर्राष्ट्रीय बांड किस लागत पर आएंगे?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- अभी कोई भी इसका अनुमान नहीं लगा सकता है परंतु इस समय हम सबसे सस्ती दर पर प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- महोदय, क्या आप 2.5 प्रतिशत के वर्तमान स्प्रेड में कुछ गिरावट का जोखिम देखते हैं अथवा यह इस स्तर पर बना रहेगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- मेरी समझ से हम इसे बनाए रखने में समर्थ होंगे। प्रतिस्पर्धी दबाव के कारण यह घट गया है परंतु व्यवसाय का आयतन बढ़ रहा है। इसके अलावा पुनर्वित्त पोषण में हमारा शेयर बढ़ रहा है। ये ऐसी परियोजनाएं हैं जो अधिष्ठापित हो चुकी हैं; जोखिम कम है। अत: निश्चित रूप से हम इसे बनाए रखने में समर्थ होंगे।

- **आनंद लड्ढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड :**

- ठीक है। महोदय, आपका धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न विंड एकड़ से एंड्रू लुंड्सट्रोम की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- कॉल के लिए आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। एक पिछले प्रश्न के अनुवर्तन के रूप में, वित्त पोषण की लागत 8.8 प्रतिशत हो सकती है और वृद्धिमूलक ऋण दर 10.5 प्रतिशत हो सकती है। ऐसी स्थिति में हम कैसे 2.5 प्रतिशत स्प्रेड को बनाए रख सकते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, क्योंकि राज्य विद्युत यूटिलिटीज के लिए तथा निजी क्षेत्र की कुछ परियोजनाओं के लिए हमारी ब्याज दर 11 प्रतिशत के आसपास है। इस प्रकार यह एक मिश्रण है। कुछ अच्छी परियोजनाओं में, यदि यह अधिष्ठापित परियोजना है तो हम बहुत ही प्रतिस्पर्धी दर की पेशकश करते हैं। परंतु राज्य विद्युत यूटिलिटीज के लिए, हम उनकी श्रेणी के अनुसरण में ब्याज दर की पेशकश करते हैं। हम जोखिम संभावना - A+, A, B के अनुसरण में उनको वर्गीकृत करते हैं। अत: निश्चित रूप से यदि यूटिलिटी निम्नतर ग्रेड की होती है तो हम उच्च ब्याज दर की पेशकश करते हैं। इस प्रकार यह हमारे विभिन्न ऋणकर्ताओं के सभी ब्याजों का औसत है। अत: हम इसे बनाए रखने में समर्थ होंगे। ऐसा इसलिए है कि हमारा 82 प्रतिशत शेयर राज्य विद्युत यूटिलिटीज, सरकारी यूटिलिटीज में है। इसलिए हमें पूरा यकीन है कि हम इस स्प्रेड को बनाए रखने में समर्थ होंगे।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- ठीक है। पुनर्वित्त पोषण के लिए आ रही मांग पर बल देने की रणनीति क्या है? क्या यह भी राज्य क्षेत्र में शामिल है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हां। यह भी मिश्रण है। हमने एनटीपीसी की एक परियोजना का भी पुनर्वित्त पोषण किया है जो एनटीपीसी तथा उत्तर प्रदेश सरकार का संयुक्त उद्यम है। इस प्रकार हमने वहां 17 बैंकों को प्रतिस्थापित किया है। यह 2 X 660 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना थी। हमने पवन ऊर्जा की परियोजनाओं का भी अधिग्रहण किया है। हमने सौर ऊर्जा की कुछ परियोजनाओं का भी पुनर्वित्त पोषण किया है। हमने कर्नाटक में एक ताप विद्युत परियोजना में बैंक ऋण के कुछ भाग का भी पुनर्वित्त पोषण किया है जिसमें हम महाजन थे परंतु हमने बैंकों को प्रतिस्थापित किया है। यह दक्षिण भारत के कर्नाटक में 2 X 800 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना थी। हमने वहां 5 बैंकों को प्रतिस्थापित किया है।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- वर्तमान ऋण बही का कितना प्रतिशत आज पुनर्वित्त पोषण के अवसरों के लिए ऋण है? और उसका विकास कहां हो सकता है? आगे चलकर यह संख्या कितनी हो सकती है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- निजी क्षेत्र में यह 10000 करोड़ रुपए के आसपास हो सकता है और सरकारी क्षेत्र में भी यही संख्या हो सकती है।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- क्या आपको लगता है कि यह विकसित होकर काफी बड़ा होगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हम विपदाग्रस्त परिसंपत्तियों पर भी विचार करेंगे यदि कोई नया विकासक कुछ तनावग्रस्त परिसंपत्तियों में उलझता है और वह हमसे संपर्क कर सकता है। उनमें से कुछ हमसे पहले ही संपर्क कर चुके हैं। इस प्रकार यह भी ऐसी परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए एक अवसर है।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- बहुत अच्छा। क्या हम इस बात पर चर्चा कर सकते हैं कि परिसंपत्ति गुणवत्ता चर्चा में आप कैसे आकलन करते हैं कि 23 तनावग्रस्त परियोजनाओं में 54 प्रतिशत का कर्तन होगा? आपने किस ढंग से इस आंकड़े का निर्धारण किया या इसका अध्ययन कैसे किया?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह एक समग्र औसत है। हमने लगभग 54 प्रतिशत प्रदान किया है और हम किसी और प्रावधान की उम्मीद नहीं करते हैं, जब इन परियोजनाओं का समाधान हो जाएगा। ऐसा इसलिए है कि उनमें से अनेक परियोजनाओं में हमने नए विकासकों से प्रस्ताव प्राप्त किया है जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है। कुछ परियोजनाओं में हमने एकबारगी समाधान प्रस्ताव प्राप्त किया है और यह संपोषणीय ऋण पर आधारित है जिसकी गणना और मूल्यांकन क्रिसिल, आईसीआरए आदि जैसी रेटिंग एजेंसियों द्वारा की जाती है। उनको भारतीय स्टेट बैंक द्वारा पैनल में शामिल किया गया है

तथा हमने उन रेटिंग एजेंसियों को यह कार्य सौंपा है। रेटिंग एजेंसियों ने इन परियोजनाओं में संपोषणीय ऋण स्तर के बारे में हमें पहले ही सूचित कर दिया है। तद्नुसार हमने यह तय कर लिया है कि इन परियोजनाओं के लिए हमें कितना ऋण प्रदान करना चाहिए। इस प्रकार हमें पूरी उम्मीद है कि हमें इन परिसंपत्तियों के लिए और ऋण प्रदान करने की आवश्यकता नहीं होगी।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- और क्या आपको इस बात की जानकारी है कि वे संपोषणीय ऋण का निर्धारण कैसे करते हैं? क्या यह चार गुना जैसी कोई चीज है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, बिल्कुल, क्योंकि वे हमसे सभी इनपुट लेते हैं। यदि परियोजना की सकारात्मकताएं अच्छी होती हैं तो संपोषणीय ऋण अधिक होता है। यदि उसकी नकारात्मकताएं अधिक होती हैं तो संपोषणीय ऋण कम होता है। हमारे मूल्यांकन अधिकारियों को इसकी जानकारी है क्योंकि हमारी ऋण बही में कई प्रकार की परियोजनाएं शामिल हैं। इसलिए इन रेटिंग एजेंसियों के अधिकारी हमारे अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहते हैं।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- और यह देखते हुए कि आपको पूरा ब्याज नहीं मिल रहा है या चरण 3 के ऋणों पर कोई ब्याज मिल रहा हो, आपको अवश्य सोचना चाहिए कि पीएफसी अपने एनआईएम पर कम अर्जन कर रहा है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह सच है। चरण 3 की परियोजनाओं पर हमें कोई ब्याज नहीं मिल रहा है। हालांकि ईसीएल ने हमें अनुमति प्रदान की है परंतु हम अर्जन नहीं कर रहे हैं।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- और क्या आपको इस बारे में कोई जानकारी है कि जब यह सामान्य स्तर पर हो जाएगा तो इस एनआईएम को कैसे समायोजित किया जा सकता है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जब हम इन तनावग्रस्त परिसंपत्तियों से राशि की वसूली करेंगे तो निश्चित रूप से हम अधिक ब्याज अर्जित करेंगे। मेरा एनआईएम निश्चित रूप से बढ़ेगा।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- क्या हम उसकी मात्रा का निर्धारण कर सकते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- इस समय मात्रा का निर्धारण करना बहुत कठिन है क्योंकि जब हम किसी परियोजनाओं को बंद करते हैं तभी हमें इसकी जानकारी हो पाती है। परंतु हमारा यह अनुमान है कि हमने जो प्रदान किया है उसके अनुसरण में हम जिस कर्तन की उम्मीद कर रहे हैं वह प्रत्येक परियोजना में संपोषणीय ऋण स्तर पर निर्भर है।

- **एंड्रू लुंड्सट्रोम - विंड एकड़ :**

- धन्यवाद। अब मैं अंतिम पंक्ति में आता हूं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**
  धन्यवाद। देवियो एवं सज्जनो, यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रबंधन इस सम्मेलन कॉल में सभी प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देने में समर्थ हो, कृपया अपने प्रश्नों को प्रति प्रतिभागी दो तक सीमित रखें। यदि आपका कोई और प्रश्न हो तो आप अनुवर्तन के लिए वापस आ सकते हैं। अगला प्रश्न यूबीएस सिक्योरिटीज से विशाल गोयल की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- महोदय नमस्कार, आपके प्रकटन के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। समाधान लेखा पर, इन समाधानों को बंद करने के लिए हमें किस समय सीमा की अपेक्षा रखनी चाहिए?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- वास्तव में समाधान में हमारे पास चार परियोजनाएं हैं। अवंता पावर, झबुआ, हम पहले ही ओटीएस प्राप्त कर चुके हैं और उसका मूल्यांकन किया जा रहा है। मेरी समझ से बहुत जल्दी, एक माह के अंदर हमें बंद करने में समर्थ हो जाना चाहिए। इसी तरह इंड भारत उत्कल एनसीएलटी में चला गया है। अत: इसमें समय लगेगा। यह एडमिट भी हो गया है। इसके बाद केएसके महानदी में, हम एच1 बोलीदाता को चिह्नित कर चुके हैं। आप जानते हैं कि केएसके में 27 महाजन हैं। 22 महाजनों को शामिल किया जा चुका है। शेष 5 महाजनों के साथ हमारी बातचीत चल रही है तथा हम उनको शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी तरह आरकेएम पावरजेन में, हम मौजूदा विकासक के साथ पुनर्गठन करने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि इसने बहुत अच्छी सकारात्मक प्रगति की है। पीटीसी और पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड की प्रायोगिक योजना के तहत 550 मेगावाट के लिए पीपीए हो गया है। हमने तीन वर्षों के लिए मध्यम अवधि के लिए तीन पीपीए हेतु एलओए प्राप्त किया है। वे एल1 हैं। इस प्रकार हम समाधान करने में समर्थ होंगे। और अब हम संपोषणीय ऋण के लिए के लिए रेटिंग कराएंगे और हम इसका समाधान करेंगे।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- क्या आरकेएम भी एक माह में हो सकता है अथवा इसमें अधिक समय लगेगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, एक माह का समय लग सकता है क्योंकि वे 550 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए पीटीसी से एलओए प्राप्त कर चुके हैं।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- इस प्रकार इसे बंद करने के लिए, संपोषणीय, गैर संपोषणीय अंश का सृजन करने के लिए तथा मानक परिसंपत्ति के रूप में शेष अंश को चिह्नित करने के लिए यहां से अब क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- पहला कदम यह है कि उन्होंने यह एलओए प्राप्त कर लिया है। अब संपोषणीय ऋण स्तर का पता लगाने के लिए किसी रेटिंग एजेंसी को सूचित किया जाएगा। यदि किसी परियोजना की सकारात्मकताएं बहुत अच्छी होती हैं तो निश्चित रूप से संपोषणीय ऋण में वृद्धि होगी। जब वह

रेटिंग एजेंसी वह संपोषणीय ऋण प्रदान करेगी तो हम और आगे बढ़ेंगे। संभवत: डेढ़ महीने में हमें इसे बंद करने में समर्थ हो जाना चाहिए।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- और केवल इस बात का अंदाजा लगाने के लिए कि इनमें से एक या दो में, उदाहरण के लिए आरकेएम में किस प्रकार के कर्तन की आवश्यकता होगी, संपोषणीय ऋण स्तर क्या है? यह केवल इस बात को समझने के लिए है कि इस क्षेत्र में क्या हो रहा है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जब तक रेटिंग एजेंसी अपना कार्य पूरा नहीं कर लेती है तब तक बताना बहुत कठिन है। कल या परसों उन्होंने एलओए प्राप्त किया है। हमारे अधिकारियों द्वारा अन्य कवायद भी पूरी की जा चुकी है। परंतु जब तक आपको संपोषणीय ऋण स्तर का ज्ञान नहीं होगा तब तक आप परियोजना बंद नहीं कर सकते हैं। हम इसमें 44 प्रतिशत प्रावधान पहले ही कर चुके हैं। अत: हम किसी और प्रावधान की उम्मीद नहीं करते हैं।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- और उच्चत न्यायालय के आदेश पर, उन्होंने आरबीआई के परिपत्र को नहीं रोका है। वे बस यह कह रहे हैं कि 'हम सभी मामलों की सुनवाई करेंगे' क्या यह सही है? उन्होंने यही कहा है। उन्होंने यह नहीं कहा है कि आरबीआई का परिपत्र लागू नहीं है। अब यहां से क्या हो सकता है? जब तक उच्चतम न्यायालय कोई निर्णय नहीं लेता है, क्या आप सभी समाधान पास कर सकते हैं या आप ऐसा नहीं कर सकते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपको पता होगा कि आरबीआई का 12 फरवरी का परिपत्र हम पर लागू नहीं है क्योंकि हम गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी हैं। परंतु विवेकशील कारपोरेट निकाय के रूप में हमने पहले वित्त वर्ष में ही ऐसे सभी लेखाओं को एनपीए के रूप में घोषित कर दिया जिसमें मैं बैंकों के साथ कंसोर्टियम में था (क्योंकि आरबीआई का परिपत्र उन पर लागू था)। और मैं इन परियोजनाओं का समाधान करने के लिए सभी संभव, ईमानदार प्रयास कर रहा हूं। इसके बाद माननीय उच्चतम न्यायालय ने नवंबर तक का समय दिया है। अब मुझे पूरा विश्वास है कि निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों के साथ हम कुछ अच्छी परियोजनाओं को बंद करने में समर्थ होंगे जिन्हें हम इसलिए बंद करने में

समर्थ नहीं थे कि समय बीतता जा रहा था। अत: मुझे पूरा विश्वास है कि केएसके एनर्जी, झबुआ पावर, आरकेएम में और इंडिया बुल्स परियोजना, अमरावर्ती में भी। हमारे पास ओटीएस प्रस्ताव भी है। इस प्रकार मुझे वास्तव में पूरा विश्वास है कि एक माह के अंदर हमें कुछ अच्छी परियोजनाओं को बंद करने में समर्थ हो जाना चाहिए, जिससे एक अच्छी दर प्राप्त हो सकती है।

- **विशाल गोयल - यूबीएस सिक्योरिटीज :**

- ठीक है, महोदय आपका बहुत बहुत धन्यवाद। शुभकामनाएं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न मिराए असेट से हर्षद बोरावेक की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **हर्षद बोरावेक - मिराए असेट :**

- नमस्कार, अवसर प्रदान करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। मैं तीन प्रश्न पूछना चाहता हूं। पहला प्रश्न, क्या आप प्रत्येक - पुनर्वित्त पोषण ऋण, नवीकरणीय और फिर अन्य ऋण पर वृद्धिमूलक लब्धि के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं? और इसी से जुड़ा प्रश्न है, पिछली तिमाही में आपने बताया था कि 3.76 प्रतिशत पर एनआईएम के बने रहने की उम्मीद है। स्पष्ट रूप से यह घट गया है। अल्प अवधि और मध्यम अवधि दोनों में स्प्रेड और एनआईएम पर आपका नजरिया क्या है? और अंत में, आपके पोर्टफोलियो के लिए इस ईसीएल के तहत अपेक्षित क्रेडिट लागत क्या है? धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- एनआईएम, जब हम इन तनावग्रस्त परिसंपत्तियों का समाधान करने में समर्थ हो जाएंगे तो निश्चित रूप से एनआईएम में वृद्धि होगी। हम लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करने में समर्थ होंगे। जैसा कि आपको पता हो सकता है, हम केएसके एनर्जी जैसी 3-4 अच्छी परियोजनाओं को बंद करने वाले हैं, जिसमें एक एच1 बोलीदाता को चिह्नित किया जा चुका है। 22 महाजन शामिल हैं। जहां तक शेष 5 परियोजनाओं का संबंध है, हमें पूरा यकीन है कि हम उस समय सीमा के अंदर

उनको बंद करने में समर्थ होंगे जो माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा बढ़ाई गई है। झबुआ पावर में, हमें एक अच्छा एकबारगी समाधान प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा हम आशा करते हैं कि हम इसे बंद करने में समर्थ होंगे। इसी तरह अमरावती में, हमें एक अच्छा ओटीएस प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसी तरह, डैंस एनर्जी और शीगा की तरह उन्होंने पीपीए प्राप्त किया है तथा अब उन्होंने हमें भुगतान करना शुरू कर दिया है। जिस मद में हम कोई ब्याज नहीं प्राप्त कर रहे थे उसमें यदि उन्होंने चुकता करना शुरू कर दिया तो हमारे एनआईएम में सुधार होगा। जहां तक स्प्रेड का संबंध है, हमें विश्वास है कि हम इसे लगभग 2.52 प्रतिशत पर बनाए रखने में समर्थ होंगे। परंतु व्यवसाय का आयतन बढ़ रहा है और साथ ही प्रतिस्पर्धी दबाव भी है। इसलिए, हमें थोड़ा यथार्थवादी होना होगा। पहले हमारा स्प्रेड 3.8 प्रतिशत या 3.9 प्रतिशत की रेंज में हुआ करता था परंतु वह बहुत यथार्थवादी नहीं था। परंतु आज, मेरी समझ से 2.50 प्रतिशत से 2.54 प्रतिशत का स्प्रेड यथार्थवादी है और हमें इस पर पूरा विश्वास है क्योंकि हमारे पोर्टफोलियो का 82 प्रतिशत सरकारी यूटिलिटीज हैं जहां हम श्रेणी अर्थात A+, A, B आदि के अनुसार ब्याज दर की पेशकश करते हैं। इस प्रकार यह विभिन्न ब्याज दरों का मिश्रण है। अत: हम इन सरकारी यूटिलिटीज की सहायता से स्प्रेड को बनाए रखने में समर्थ होंगे। निजी क्षेत्र में भी यह विकासक की रेटिंग पर निर्भर होता है। कुछ मामलों में यह जोखिम से जुड़ा होता है। हम कुछ नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, कुछ ताप विद्युत परियोजनाओं का पुनर्वित्त पोषण भी कर रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के मामले में, हम नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की आक्रामक प्रतिस्पर्धी बोलियों का बहुत ध्यान से मूल्यांकन कर रहे हैं।

- **हर्षद बोरावेक - मिराए असेट :**

- पुनर्वित्त पोषण, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना ऋण के बीच लब्धियों में कितना अंतर है, जहां आप यह कह रहे हैं कि यह अन्यों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी है। क्या इन परियोजनाओं के लिए वृद्धिमूलक लब्धियों की दृष्टि से अंतर महत्वपूर्ण है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- कहना बहुत कठिन है, परंतु हां। ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में निश्चित रूप से लब्धियां अधिक हैं।

- **हर्षद बोरावेक - मिराए असेट :**

- महोदय प्रश्न यह है कि यदि आपको नवीकरणीय परियोजनाओं पर अधिक वितरण करना होगा, जो स्पष्ट रूप से प्रतिस्पर्धी है, तो स्पष्ट रूप से इसका अर्थ यह होगा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के प्रतिशत में वृद्धि के साथ एनआईएम में गिरावट की रुझान जारी रहेगी।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- ग्रीनफील्ड परियोजनों पर हम ऐसी प्रतिस्पर्धी दरों की पेशकश करने में समर्थ नहीं हैं। परंतु पुनर्वित्त पोषण के लिए हां। हम प्रस्ताव का आकर्षण देखते हैं। यदि कोई परियोजना पिछले दो तीन वर्षों से अच्छी तरह चल रही होती है और लाभार्थी एनटीपीसी या एसईसीआई होता है, जिसके साथ हमने पीपीए पर हस्ताक्षर किए हैं तो हमारी मूल्यांकन टीम के लिए यह महत्वपूर्ण है। यदि यह राज्यों के साथ होता है तो हम बहुत रूढ़िवादी होते हैं। यदि यह एनटीपीसी अथवा एसईसीआई के साथ होता है तो हम बहुत आकर्षक दरों की पेशकश करते हैं। इस प्रकार यह कई बातों पर निर्भर होता है। यह एक मिश्रण है।

- **हर्षद बोरावेक - मिराए असेट :**

- और अंत में, हमारे पोर्टफोलियो के लिए ईसीएल के तहत अपेक्षित क्रेडिट क्षति के रूप में हमें क्या मानकर चलना चाहिए?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- देखिए, हमारा यह अभिमत है कि इस ईसीएल तंत्र के तहत पर्याप्त प्रावधान किया गया है। समाधान पर, हम लेखाओं पर किसी और प्रहार की उम्मीद नहीं करते हैं।

- **हर्षद बोरावेक - मिराए असेट :**

- ठीक है, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न डॉइच बैंक से मनीष कारवा की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- महोदय नमस्कार, अवसर प्रदान करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। आपके विदेशी ऋण पर, अब तक आपने कितने ऋण का संरक्षण किया है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- 58 प्रतिशत

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- ठीक है। और इंड एएस के तहत, इसका कामकाज कैसा है? इस तिमाही में आपने 423 करोड़ रुपए का जो लाभ प्राप्त किया है वह लाभ क्या उस संरक्षण से संबंधित है जिसे आपने किया है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हां, कुछ अंश संरक्षण के उस अंश से भी संबंधित है। परंतु यदि आप देखेंगे तो हमें कुछ विनिमय हानि भी हुई है जो हमारे व्यय में प्रदर्शित की गई है। और कर पर विचार करने के बाद निवल प्रभाव केवल 200 करोड़ रुपए है। आप जिसे 424 करोड़ रुपए के रूप में देख रहे हैं, निवल प्रभाव केवल 200 करोड़ रुपए है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- और इस बात को देखते हुए कि रुपए का अब अवमूल्यन हो गया है, मोटे तौर पर इसका अभिप्राय यह है कि अगली तिमाही में जब हम अपना लेखांकन करेंगे, मेरा ब्याज व्यय अधिक होगा, यह मानते हुए कि गैर संरक्षित अंश को ब्याज व्यय से होकर गुजरना पड़ेगा। क्या इसी तरह से यह काम करेगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- देखिए, ब्याज के 85 प्रतिशत अंश को संरक्षित किया जा चुका है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- परंतु यह 85 प्रतिशत केवल इस वर्ष के लिए है, क्या यह सच है? अगले वर्ष, वह संरक्षित नहीं होगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- यह अवधि के लिए है। ऋण की पूरी अवधि के लिए, 85 प्रतिशत को संरक्षित किया जा चुका है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- परंतु पुनर्भुगतान को संरक्षित नहीं किया गया है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- हां, पुनर्भुगतान 58 प्रतिशत है। जहां तक ब्याज का संबंध है, 85 प्रतिशत पहले से ही संरक्षित है। परंतु इस निष्पक्ष मूल्यांकन के कारण लाभप्रदता पर कुछ प्रभाव हो सकता है, परंतु यह हमारे व्यय, विदेशी मुद्रा में अंतर पर व्यय द्वारा प्रतितुलित हो जाएगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- मेरी समझ से लेखांकन के प्रयोजनार्थ, हम जो कर रहे हैं, पहली तिमाही में हमने जो रेजिंग की है उसे रूपांतरण क्षति के रूप में तुरंत बहीकृत किया जाएगा। जबकि हमने 1 अप्रैल 2018 से पहले जो रेजिंग की है वह ऋणशोधन आधार पर होगी। इस प्रकार उन रेजिंग के लिए, रूपांतरण क्षति पर प्रभाव बहुत अधिक नहीं होगा। जबकि 1 अप्रैल 2018 के बाद नई रेजिंग के लिए पूर्ण प्रभाव को लिया जाएगा। अत: लेखांकन करने का तरीका यह होगा। इस तरह से इस वर्ष में 320 करोड़ रुपए आए हैं।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- और 1 अप्रैल के बाद आपने कितना जुटाया है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- 1 अप्रैल के बाद हमने 600 मिलियन अमरीकी डालर जुटाया है और यह संरक्षित नहीं है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी नहीं, 300 मिलियन डालर को संरक्षित किया गया है तथा 300 मिलियन डालर 10 वर्षों के लिए बांड है जिसे हमने अभी तक संरक्षित नहीं किया है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार इसे संरक्षित करने की आवश्यकता नहीं है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- बहुत बढ़िया। परंतु इस बात को देखते हुए कि रुपए का अवमूल्यन हो गया है, इसका हमारे अर्जन पर प्रभाव होगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- परंतु 10 वर्ष लंबी अवधि है। यह केवल बही समायोजन है। हम देखते हैं। इस समय विदेशी मुद्रा बहुत अस्थिर है। परंतु हमारा यह अभिमत है कि लंबे समय तक ऐसी स्थिति नहीं रहेगी।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- अधिकांश पोर्टफोलियो के लिए यह परिशोधित होगा।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- ठीक है। इंड एएस के तहत आपने जून 2017 की तिमाही के साथ जून 2018 की तिमाही की तुलना की है। और जून 2017 की तिमाही में वित्तीय लिखतों पर एक पंगुता छूट है। यह लगभग 1100 करोड़ रुपए है। क्या यह एनपीएलएस के साथ करने के लिए है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, यह केवल एनपीए है। हमने पिछले वर्ष की पहली तिमाही में ईसीएल प्रावधान किया है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- और चूंकि आप रिजर्व के माध्यम से इसे लगभग पूर्णत: समायोजित कर लिया है, क्या वृद्धिमूलक पंगुता छूट अधिक नहीं होगी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, यह सही है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- बढ़िया। और इंड एएस के तहत, हम अभी भी आस्थगित कर देयता के लिए लेखांकन क्यों कर रहे हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- जी हां, डीटीए और डीटीएल दोनों को लेखांकन किया गया है।

- **मनीष कारवा - डॉइच बैंक :**

- ठीक है।

- **प्रचालक :**

- धन्यवाद। देवियो एवं सज्जनो, समय की कमी के कारण यह आखिरी प्रश्न था। अब मैं समापन टिप्पणी के लिए कॉन्फ्रेंस को प्रबंधन के हवाले करता हूं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन :**

- आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

- **प्रचालक :**

- महोदय, आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। देवियो एवं सज्जनों, प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से, इसी के साथ यह कॉन्फ्रेंस समाप्त होता है। हमारे साथ जुड़ने के लिए आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद। अब आप अपनी लाइनें डिस्कनेक्ट कर सकते हैं।

प्रतिलेखन की समाप्ति।